

जाता है
को पेरा है

(परी)

बहायक कलेक्टर, गुडामालाबा

21/02/22

पत्रावली काठ पेरा हुई। पत्रावली काठ
 वकील शाही के शाहीन पत्र पत्रावली काठ
 सुनवाई में लिखे जाने के विवेक का पेरा
 करने के सुनवाई में भी गई। पत्रावली
 काठ सुनवाई में लेने के शाहीन पत्र
 के वकील विजाईगिण के हवात करमा
 गला। दोनों पक्षों के वकील उपस्थित
 हुए। दोनों पक्षों के वकील के उक्त
 पर बहस सुनी गई। वकील शाही के
 विवेक कि शाही व विजाईगिण
 की संयुक्त खातेदारी की कृषि अति
 ग्राह (अशनापुर) पत्रार क्षेत्र काय तहसील
 गुडामालाबा में खेत ख. नं. 262 रकबा
 5.8275 हेक्टेयर व ग्राम काय खेताबी इला
 नया गांव डी सियाग नगर में खेत ख. नं.
 218 रकबा 0.0162 हेक्टेयर व ख. नं. 219 रकबा
 1.4407 हेक्टेयर भी गाई हुई है उक्त
 अति प्रत्यक्ष है व संयुक्त खातेदारी में है
 इनके शाही का 1/4 हिस्सा है इसी हिस्से
 काय शाही के शाही वखाड़ा कर हिस्से

(परी)

बहायक कलेक्टर, गुडामालाबा



05/11/89
जि. 19
पं. 1

जो यह प्रमाण पर जाही करवा कर
 है। यह प्रमाण रखेसारी के होने के
 इसके व खीमाफे के सिवाय के वलन
 के लिए जाही के एक काउ रफिन हिस्ते
 की प्रमाण मल्ल करवाकर जिहादीगण
 के बेटकाडा करवान का न्यायालय में
 प्रेषा किया है जिहसे नाराज होकर
 जिहादीगण जाही डाय उजाक वलन
 जाही रूपे दिहते की प्रमाण पर जबरन
 कब्जा कर नजदी कमिषने के बेलन
 करके व जाही के बैरबल करके पर
 काला हो गले है लला गले दिन
 नले-ले नजदी प्रेषा कीके व
 लाकर जाही के दिहते की प्रमाण के
 नजदी बलाकर जाही के लहक तंग
 व परेशान कर रहे हैं यदि जिहादी
 केने मकरुड के कामका हो लगेगे
 तो जाही के नजदीक इति होगी।
 जिहादीगण बिना बेटकाडा करवाए
 प्रमाण के किसी विशेष भाग के चिहिन
 कर बेलन करके का कोई काबुली
 इक नही है कत! प्रमाण काउ के चिहिन
 तक जिहादीगण के चिहिनका के
 पाठन करे कि बिना बेटकाडा करवाए
 दिहादी प्रमाण के किसी विशेष
 भाग के चिहिन कर बेलन करे

जारी
बहायक कलक्टर, गुडामालाबं

मैंने देखा कि कुछ न्यायालय के पत्र
 भिजा गया है क्योंकि जहाँ की वृद्ध
 नेहरू विभागीय मंडल कोर्टों
 की शक्ति है किन्तु अंतर्गत कक्षाएँ
 शक्ति के किसी विशेष भाग को, जो
 जहाँ उच्च न्यायालय बनाई जायेंगे
 फरक का मत है कि वे न्यायालय
 करने पर कक्षाओं को जो न्यायालय
 विभागीय के विभाजन के अंतर्गत
 भिजा गया उचित प्रतीत होता है।
 न्यायालय का जर्जन कुछ स्वीकार
 किया जाकर विकसित करनी रुद्ध
 प्रोत्साहन उच्च के रिकॉर्ड ख-नं. 262
 रकवा S. 8275 ई.के.एच., ग्राह की किन्तु
 न्याय के रिकॉर्ड ख-नं. 218 रकवा 0-0162
 ई.के.एच., ख-नं. 219 रकवा 1.4407 ई.के.एच.
 शक्ति के विभागीय के रकवा न्यायालय
 विभाजन के अंतर्गत भिजा गया है।
 कि कुछ का के विचारण तक विकसित
 शक्ति के रिकॉर्ड की यथा स्थिति बनाए
 रखें। प्रस्तावों विषय रकवा डोकर
 प्रकृत का के साथ नती है।

पुनी

बहायत कलेक्टर, गुवाहाटी

श्रीमान सहायक कलक्टर (S.D.O.) महोदय,

गुडामालानी

प्रार्थी :-

1. राउराम पुत्र गंगाराम उम्र 61 वर्ष
जाति जाट निवासी लक्ष्मणपुरा बांटा तहसील गुडामालानी जिला बाडमेर

बनाम:-

विप्रार्थीगण :-

1. नानगाराम पुत्र गंगाराम उम्र 75 वर्ष
2. तेजाराम पुत्र गंगाराम उम्र 68 वर्ष
3. खेताराम पुत्र गंगाराम उम्र 65 वर्ष
जाति जाट निवासी लक्ष्मणपुरा बांटा
तहसील गुडामालानी जिला बाडमेर
4. शाखा प्रबन्धक S.B.I. शाखा गुडामालानी
5. शाखा प्रबन्धक B.C.C.B शाखा गुडामालानी
6. शाखा प्रबन्धक P.N.B. शाखा गुडामालानी
7. तहसीलदार एवं उपपंजियक गुडामालानी जिला
बाडमेर

राजस्व आवेदन अन्तर्गत धारा 212 राजस्थान काश्तकारी
अधिनियम वास्ते पाने अस्थाई निषेधाज्ञा



निवेदन प्रार्थी का आवेदन पत्र निम्न प्रकार से है

1. कि प्रार्थी ने एक राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 88, 53, 188, राजस्थान काश्तकारी अधिनियम का पेश किया है जिसमें प्रार्थी को सफलता मिलने की पुर्ण सम्भावना है।
2. कि प्रार्थी एवं विप्रार्थीगण संख्या 1 से 3 एक ही खानदान है प्रार्थी एवं विप्रार्थीगण संख्या 1 से 3 का सयुक्त परिवार है प्रार्थी के पिता गंगा के फौत होने पर उक्त आराजी में गंगा के वारीसनो के नाम का नामान्तकरण भरा गया है। के उक्त विवादग्रस्त आराजी मौजा लक्ष्मणपुरा पटवार क्षेत्र बांटा तहसील गुडामालानी जिला बाडमेर में खातेदारी का खेत खसरा नम्बर 262 रकबा, 5-8275 हैक्टर (36-00 बीघा) किस्म बारानी सोयम व ग्राम बांटा खेताजी हाल नया राजस्व ग्राम डी सियाक नगर पटवार हल्का बांटा के खेत खसरा नम्बर 218, 219 रकबा कमश 0-0162, हैक्टर, (0-02 बीघा), 1-4407 हैक्टर (8-18 बीघा) कुल रकबा हैक्टर 1-4569 (कुल बीघा 9-00) किस्म गैर मुमकीन ढाणी, बा. दो. की आई हुई है। कि उक्त आरजी की वर्तमान जमाबन्दी व नक्सा की प्रति संलग्न है।
3. कि प्रार्थी व विप्रार्थीगण संख्या 1 से 3 के सयुक्त कब्जा काश्त की जमीन उक्त वादग्रस्त खसरो में वादी व विप्रार्थी संख्या 1 से 3 प्रत्येक का $1/4 - 1/4$ हिस्सा है। कि उक्त खसरो में प्रार्थी का $1/4$ हिस्सा व विप्रार्थीगण संख्या 1 से 3 प्रत्येक का $1/4 - 1/4$ हिस्सा हैं। कि प्रार्थी व विप्रार्थीगण संख्या 1 से 3 अपने अपने हक हिस्से अनुसार काबिज एवं कब्जा काश्त पर है। प्रार्थी अपने पुस्तैदी हिस्से अनुसार कब्जा काश्त करता चला आ रहा है।
4. कि उक्त विवादग्रस्त आराजी में प्रार्थी के $1/4$ हिस्से की जमीन में प्रार्थी की ढाणी व पशु चारबाडे व पानी के टांके बनें हुए है व प्रार्थी की उक्त हिस्से की जमीन को प्रार्थी ने खाद बीज डालकर भूमि उपजाऊ बनाई हुई है उक्त वादग्रस्त आराजी पर आज दिन तक प्रार्थी का कब्जा काश्त बद्दुस्तुर चला आ रहा है।



अ/न/२
२२/१२